सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 1 MAY TO 7 MAY 2020 • VOLUME-34 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING | DESIGN | TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
No Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

बिहार में 407 कोरोना मरीज पांच दिन में मिले 184 संक्रमित

दूसरे राज्य से आने वालों को 14 दिन क्वारैंटाइन सेंटर में रहना होगा रोहतास के नारायण मेडिकल कॉलेज, जमुहार में नर्स और टेक्नीशियन कोरोना पॉजिटिव मिले हैं

पटना, (ब्यूरो): बिहार में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। संक्रमितों की संख्या 407 हो गई है। इनमें से 184 मरीज पांच दिन में बढ़े। दूसरी ओर बिहार सरकार ने राज्य के बाहर फंसे छात्रों और प्रवासी मजदूरों को लाने व रखने की व्यवस्था शुरू कर दी है। 3 मई के बाद दूसरे प्रदेश से आने वालों को 14 दिनों तक प्रखंड स्तरीय क्वारैंटाइन सेंटर में रहना होगा। आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के सभी डीएम को इसके लिए प्रखंड स्तर पर क्वारैंटाइन सेंटर बनाने को कहा है। क्वारैंटाइन सेंटर पर बिजली, पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करनी है। क्वारैंटाइन सेंटर की घेराबंदी बांस-बल्ला लगा कर की जाएगी। सीसीटीवी कैमरा से इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। दंडाधिकारी, पुलिस अधिकारी, पुलिस जवान, डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मी आदि की प्रतिनियुक्ति होगी।रोहतास में कोरोना संक्रमितों की संख्या 34 हो गई है। एनएमसीएच (नारायण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) की नर्स और टेक्नीशियन को कोरोना का संक्रमण हो गया है। जिले के कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज नारायण मेडिकल कॉलेज, जमुहार में चल रहा है। एनएमसीएच के दो स्टाफ के पीड़ित होने के बावजूद मरीजों के इलाज में जुटे डॉक्टरों व स्टाफ के हौसले में कमी नहीं आई है।

आईजीआईएमएस के डॉक्टर-नर्स संक्रमित

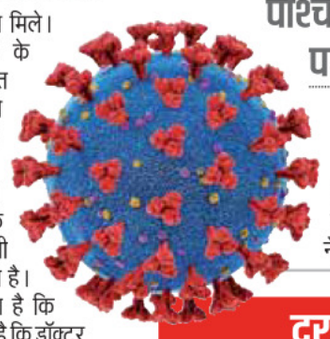

पटना में तीन पॉजिटिव मिले। इनमें आईजीआईएमएस के एमडीआर टीबी वार्ड में कार्यरत एक नर्स, नौबतपुर की रहने वाली आईजीआईएमएस की एक महिला सफाईकर्मी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। एनेस्थेसिया विभाग के एक चिकित्सक की रिपोर्ट भी वीकली (कमजोर) पॉजिटिव है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि वीकली पॉजिटिव का मतलब है कि डॉक्टर की इम्युनिटी ठीक है और वह कोरोना से लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी सात दिन बाद दोबारा जांच कराई जाएगी। आउटसोर्स पर काम करने वाली नर्स राजाबाजार के आश्रम गली में रहती है। पालीगंज की एक कैंसर पीड़ित महिला भर्ती होने के लिए आई थी। उसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। यहां भर्ती सीवान के टीबी मरीज और छपरा के फरार रोगी के संपर्क में आए 19 अस्पताल कर्मियों की जांच कराई गई थी। इसमें इन तीनों को छोड़कर बाकी की रिपोर्ट निगेटिव आई।

बक्सर: नया भोजपुर में 40 संक्रमित

बक्सर जिले के कोरोना हॉट स्पॉट नया भोजपुर में बुधवार को 12 नए मरीज मिले। इस गांव में कोरोना संक्रमितों की संख्या 40 पहुंच गई है। एक छह माह की दुधमुंही बच्ची भी कोरोना की चपेट में आ गई। 14 नए संक्रमितों में पांच एक ही परिवार के हैं। छह उनके आस-पड़ोस के रहने वाले हैं। एक पॉजिटिव मरीज मूलरूप से पंजाब का रहने वाला है। वह पेशे से हार्वेस्टर चालक है। वह नया भोजपुर में रहता था। गांव के तीन दर्जन से अधिक लोगों को क्वारैंटाइन किया गया है।

पश्चिमी चंपारण: दिल्ली से पैदल हजारीटोला पहुंचे थे 9 श्रमिक, 5 कोरोना पॉजिटिव

पश्चिमी चंपारण जिले के योगापट्टी प्रखंड के शनिचरी हजारी टोला गांव निवासी पांच श्रमिक कोरोना पॉजिटिव मिले। सभी को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। जिले में लॉकडाउन को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है। 25 अप्रैल की देर शाम शनिचरी हजारीटोला निवासी 9 श्रमिक दिल्ली से पैदल अपने गांव पहुंचे थे। श्रमिकों के पहुंचने की सूचना मिलने पर पुलिस ने सबको जीएमसीएच के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया था।

दरभंगा: कोरोना पॉजिटिव की मां, पत्नी और सास-ससुर संक्रमित

दरभंगा में कोरोना संक्रमितों की संख्या 5 हो गई है। शहर के मीर शिकार के एक व्यक्ति के कोरोना पॉजिटिव आने के दो दिन बाद इस चेन से जुड़े चार अन्य की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आने से शहर से लेकर शोभन गांव तक दहशत का माहौल बना है। मीर शिकार में उस युवक की मां रहती है। उसके ससुराल शोभन में रह रही पत्नी एवं रिश्ते के सास-ससुर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वार्ड 20 और 21 के लोगों के साथ ही अन्य मोहल्लों के लोगों ने खुद मोहल्ले को बचाने के लिए नाकाबंदी कर दिया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के बेटे और लवली प्रबंधन के बीच तीखी हुई तकरार

साहिल सांपला ने लवली यूनिवर्सिटी के प्रबंधन अमन मित्तल को दी मानहानि के केस करने की चेतावनी

जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला द्वारा पिछले दिनों लवली यूनिवर्सिटी के प्रबंधको के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर मांग की थी जिसकी प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी इनक्वारी अम्बुज शर्मा अंडर सेक्रेटरी को मार्क हुई थी और पिछले दिनों हायर एजुकेशन विभाग और उप मंडल मजिस्ट्रेट द्वारा प्रबंधन को नोटिस जारी करके पूछा था क्यों ना विभाग आपकी यूनिवर्सिटी को दिया हुआ नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट रद्द करदे परन्तु आज तक प्रबंधन द्वारा मीडिया में आकर या विभाग को जवाब नहीं भेजा परन्तु इस सारे मुद्दे की गंभीरता और बच्चों की जिंदगीओं से खिलवाड़ होते हुए को देख के केंद्रीय मंत्री विजय सांपला के बेटे जो पेशे से वकील है द्वारा जनहित याचिका मानयोग पंजाब एंड हरयाणा हाई कोर्ट में दाखिल की

जिस पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हुई और जिस पर मानयोग हाईकोर्ट द्वारा इस जनहित याचिका के आर्डर को अभी रिज़र्व रख लिया जोकि अभी तक जारी नहीं हुआ परन्तु लवली प्रबंधन की तरफ से अमन मित्तल द्वारा मीडिया में यह बयान जारी कर दिया की हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है जिस पर साहिल सांपला द्वारा अपने फेसबुक पेज पर लाइव होकर बयान दिया गया है की वो इस बचकाना हरकत पर कड़ा संज्ञान लेंगे और प्रबंधन के खिलाफ कल सुबह मानहानि का केस भी डालेंगे और मानयोग हाईकोर्ट की अवेहलना का केस भी डालेंगे ।

पुलिस टीम पर हमला, महिला सहित 5 घायल

मोतिहारी,
बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए एहतियाती नियमों का पालन करवाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया, जिससे एक महिला पुलिसकर्मी सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार को पुलिस टीम पकड़ीदयाल के सिसहनी गांव पहुंची, तो गांव के बाजार में कुछ लोग बगैर मास्क लगाए घूम रहे थे। इसी बीच एक युवक बगैर मास्क और हेलमेट के बाइक चलाते पुलिस के पास पहुंच गया। पुलिस ने उसे भी बिना जरूरी काम के नहीं निकलने की नसीहत देते हुए हेलमेट नहीं पहनने पर टोका। टोकने पर युवक पुलिस से बहस करने लगा।

इसी बीच, गांव के लोगों ने लाठी, डंडे से पुलिस टीम पर हमला कर दिया। टीम में कई महिलाएं भी शामिल थीं। इस घटना में एक महिला पुलिसकर्मी सहित पांच पुलिसकर्मी घायल हुए

साउथ ब्लाक में चीफ डिफेंस स्टाफ, तीनों सेना प्रमुखों और सचिवों (ब्यूरो) क में मंथन करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

झारखंड जल्द कोरोना वायरस मुक्त राज्य बनेगा : हेमन्त

रांची, (ब्यूरो) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में विगत दो दिन में मात्र दो-दो कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों की पहचान हुई है जो बहुत राहत की बात है और इससे हमारा विश्वास दृढ़ हुआ है कि राज्य बहुत जल्द कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त हो जायेगा।

मुख्यमंत्री सोरेन ने ट्वीट कर कहा कि हम सभी के लिए यह राहत की बात है कि दो दिनों से सिर्फ 2-2 कोरोना संक्रमित मामले सामने आये हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

ने एक ओर जांच की संख्या में इजाफा किया है, वहीं दूसरी ओर सखी मंडल की बहनों, पंचायती राज संस्थाओं एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से सरकार गांव-गांव पहुंच कर लोगों की स्क्रीनिंग कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उक्त अभियान के तहत हम लॉकडाउन खुलने से पूर्व झारखंड के सभी गांवों तक पहुँचेंगे। उन्होंने कहा कि देश के हर हिस्से से प्रत्येक झारखंड वासी को वापस लाकर उन्हें पूरी तरह पृथक-वास में रखने के बाद ही सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होगी। आगे चुनौतियां हैं, लेकिन झारखंड वासियों ने जिस तरह सरकार के प्रति अपना समर्थन दिखाया है, वह सराहनीय है।

संक्रमित इलाके में ड्यूटी कर रहे एएसआई को हार्टअटैक

इंदौर, (एजैंसी): कोरोना से जंग के बीच गुरुवार सुबह एक और दुखद खबर सामने आई। संयोगितागंज पुलिस थाने के एएसआई कुंवर सिंह खरते ने तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कोरोना से युद्ध के दौरान पुलिस विभाग में यह तीसरी मौत है। पहले जूनी इंदौर थाने के टीआई देवेंद्र चंद्रवंशी और फिर उज्जैन के नीलगंगा थाने के टीआई यशवंत पाल का निधन हो चुका है।संयोगितागंज थाना प्रभारी राजीव त्रिपाठी के अनुसार, खरते लॉकडाउन के दौरान लगातार ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान उन्हें हार्टअटैक आया था। 24 अप्रैल को उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां उनकी सर्जरी की गई। शुगर होने से उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा था। उनका डायलिसिस भी किया गया, लेकिन किडनी डैमेज होने से उन्हें बचाया नहीं जा सका।इंदौर में जूनी थाने के प्रभारी रहे देवेंद्र चंद्रवंशी का भी एक हफ्ते पहले निधन हुआ। वे 2007 में एसआई बने थे। शाजापुर जिले के रहने वाले थे।

19 अप्रैल को टीआई देवेंद्र चंद्रवंशी की हुई थी मौत

मध्यप्रदेश में कोरोना का एपिसेंटर बने इंदौर में 18 अप्रैल को 45 साल के जूनी इंदौर के तत्कालीन थाना प्रभारी देवेंद्र चंद्रवंशी की मौत हो गई थी। वे पिछले 19 दिन से अरबिंदो अस्पताल में भर्ती थे। चंद्रवंशी की पहली कोरोना रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बाद में 13 और 15 अप्रैल की रिपोर्ट निगेटिव आई। अस्पताल प्रबंधन के प्रमुख डॉ. विनोद भंडारी का कहना था कि

फाइल फोटो

चंद्रवंशी की मौत का मुख्य कारण पल्मोनरी एम्बोलिज्म है।

21 अप्रैल को उज्जैन के नीलगंगा थाना टीआई ने तोड़ा था दम

उज्जैन के नीलगंगा थाना टीआई यशवंत पाल (59) की कोरोना से इंदौर में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। 27 मार्च को उनके थाना क्षेत्र की अंबर कॉलोनी में कोरोना पॉजिटिव संतोष वर्मा की मौत हुई थी। इसके बाद इस कंटेनमेंट एरिया की व्यवस्था टीआई खुद देख रहे थे। यहीं पर वे संक्रमित हुए और उनकी हालत बिगड़ती चली गई। लंबे इलाज के बाद इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे उनकी मौत हो गई थी।

भोपाल के थाने की महिला एसआई और दो सिपाही पॉजिटिव

राजधानी में एक महिला सब इंस्पेक्टर और दो सिपाहियों में बुधवार को कोरोना संक्रमण की पुष्टी होने के बाद गुरुवार को कोहेफिजा थाने को कंटेनमेंट घोषित कर दिया गया है। यह पहला मौका है, जब कोई थाना कंटनेमेंट किया गया। तीनों मंगलवार तक ड्यूटी पर आ रहे थे। उनके संपर्क में आए 6 अन्य पुलिसकर्मियों को भी होम क्वारैंटाइन किया गया। तीनों पुलिसकर्मियों के सैम्पल 24 अप्रैल को थाने में ही लिए गए थे। एक सिपाही नेहरूनगर पुलिस लाइन और दूसरा जहांगीराबाद इलाके में रहता है। महिला सब इंस्पेक्टर भी जहांगीराबाद में किराए के मकान में अकेली रहती हैं। दोनों सिपाहियों ने मंगलवार को चार्ली में ड्यूटी की थी। जबकि एसआई पेट्रोलिंग में थी। हालांकि सिपाही अन्य पुलिसकर्मियों के साथ होटल में रुके हुए हैं। भोपाल में अब तक 511 कोरोना पॉजिटिव मिल चुके हैं। जबकि 18 की मौत हो चुकी।थाना प्रभारी सुधीर अरजरिया का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद दोनों सिपाहियों को होटल के रूम में और एसआई को घर में क्वारैंटाइन किया गया है। भोपाल में कोरोना पॉजिटिव मरीजों में पुलिस कर्मियों की बड़ी संख्या शामिल है। यहां पर मार्च से अब तक 50 से अधिक पुलिस कर्मी कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इसमें 200 से ज्यादा पुलिस कर्मियों को क्वारैंटाइन किया जा चुका है।

मालेगांव में पिछले 12 घंटों में कोरोना के 71 नए मामले

नासिक, (ब्यूरो): नासिक जिला के मालेगांव में पिछले 12 घंटों कोरोना (कोविड -19) के 71 नए मामले सामने आने से मालेगांव शहर में संक्रमित मरीजों की संख्या 250 के पार हो गई जबकि नासिक जिला में कोरोना प्रभावितों की संख्या 276 हो गयी7 जिलाधिकारी सुरेश मंधारे की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, मालेगांव शहर में कोरोना संक्रमित मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है क्योंकि पिछले 12 घंटों में 72 नए कोरोना संक्रमित रोगियों का पता चला है और अब तक मालेगांव में कोरोना संक्रमित मामलों की कुल संख्या 253 हो गयी7 मालेगांव में कोरोना से मरने वालों की संख्या 12 है जबकि सात लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।नासिक जिला में आज तक 276 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

कोरोना के असर पर राहुल गांधी और रघुराम राजन में बातचीत

गरीबों के लिए 65 हजार करोड़ करने होंगे खर्च

एजैंसी/नई दिल्ली

कोरोना वायरस संकट के कारण लगभग एक महीने से देश में लॉकडाउन लागू है। देश में सब बंद है, फैक्ट्रियों पर ताले लगे हुए हैं, लोग घरों के अंदर हैं। इसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और जीडीपी की रफ्तार थम गई है। अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी इन चुनौतियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन से बातचीत की। चर्चा में आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि इस समय गरीबों की मदद करना जरूरी है। जिसके लिए सरकार के लगभग 65 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

रघुराम ने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत एक बड़ी भूमिका निभा

सकता है। भारत नए वर्ल्ड ऑर्डर में अपना स्थान बना सकता है। शक्तिहीन लोगों को शक्तिशाली नेता अच्छा लगता है। हम विभाजित समाज के साथ कहीं नहीं पहुंच सकते। उन्होंने कहा कि आज हमें स्वास्थ्य, नौकरी के लिए अच्छी व्यवस्था करने की आवश्यकता है। वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वैश्विक आर्थिक प्रणाली में कुछ गलत है। लोगों के पास नौकरी नहीं है। आय का असमान वितरण हो रहा है। बातचीत के दौरान राहुल ने रघुराम से पूछा कि गरीबों की मदद करने के लिए कितना पैसा लगेगा।

यूपी-तमिलनाडु के लिए ठीक नहीं है एक नीति: राहुल

बातचीत के दौरान राहुल ने कहा कि भारतीय समाज की व्यवस्था अमेरिकी समाज से अलग है। जिसके लिए सामाजिक बदलाव जरूरी हैं। हर राज्य का अपना एक अलग तरीका है। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। आज जिस तरह की असमानता है वह चिंता का विषय है।

निम्न मध्यम और मध्यम वर्ग के लिए है चुनौती: रघुराम

रघुराम राजन ने कहा कि हमारे पास लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का तरीका है। कई राज्यों ने खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा पर अच्छा काम किया है। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती निम्न मध्यम वर्ग और मध्यम वर्ग को है जिनके पास नौकरी नहीं होगी। आज जरूरत है कि लोगों को केवल सरकारी नौकरी पर निर्भर न रखकर उनके लिए नए अवसर पैदा किए जाएं। अर्थव्यवस्था के सामने खड़ी हुई चुनौतियों को लेकर रघुराम राजन ने कहा कि हमें जल्द से जल्द अर्थव्यवस्था को खोलने की तरफ कदम बढ़ाने होंगे क्योंकि हमारे पास दूसरे देशों की तरह व्यवस्था नहीं है।

मेघालय ने 11 में से 10 जिलों को 'ग्रीन जोन' घोषित किया

शिलांग, (ब्यूरो) मेघालय सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य के 11 जिलों में से 10 को 'ग्रीन जोन' घोषित किया और वहां अंतर जिला आवाजाही की इजाजत दे दी।शीर्ष अधिकारी ने बताया कि इन जिलों में कोविड-19 का कोई भी मामला सामने नहीं आने के कारण यह फैसला लिया गया है।कोरोना वायरस के सभी 12 मामले और एक मौत राज्य की राजधानी के हैं जो पूर्वी खासी पर्वत जिले में आती है।राजनीतिक विभाग के सचिव सिरिल वी डी डेंग्दोह ने जिलाधिकारियों को लिखे पत्र में कहा, पूर्वी खासी पर्वत जिले को छोड़कर राज्य के सभी 10 जिले ग्रीन जोन में हैं, क्योंकि उनमें कोविड-19 का कोई भी मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है। ग्रीन जोन के सभी उपायुक्त अंतर जिला आवाजाही की इजाजत दे सकते हैं। इस बीच, राज्य सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे राज्य के 10,200 से अधिक लोगों की पहचान की है।

दखल

कोरोना: बदलते परिदृश्य में चीन

कोरोना के आने के पहले से चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से व्यापार युद्ध चल रहा था। इससे चीन का आर्थिक ढांचा अब खस्ताहाल हो चुका है। ऐसे में भी अगर वह यह दावा कर रहा है कि उसकी व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, तो यह केवल दुनिया को भ्रम में डालने से ज्यादा और कुछ नहीं है। चीन की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ निर्यात है। अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के कुछ देशों को चीन कुल निर्यात का चालीस फीसद हिस्सा निर्यात करता है। लेकिन अब इन देशों ने चीन के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं।

दुनियाभर में कोरोना महामारी फैलाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने खुल कर कहा भी है कि अगर यह सिद्ध हो गया है तो चीन का इसका खमियाजा भुगतना पड़ेगा। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर देश कोरोना विषाणु फैलने के लिए चीन को ही दोषी मान रहे हैं, भले अमेरिका की तरह खुल कर कह नहीं रहे हों। चीन ने अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरी दुनिया को दहशत में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बहस छिड़ी हुई है कि क्या कोरोना का मामला ठंडा पड़ने के बाद अब वैश्विक राजनीति का जो नया रूप उभर कर आएगा, उसमे चीन दुनिया का मठाधीश बन पाएगा या नहीं? इस प्रश्न का सटीक उत्तर खोजने के लिए वर्तमान भू-राजनीतिक और विश्व व्यवस्था की चर्चा जरूरी है। कोरोना के आने के पहले से चीन और अमेरिका के बीच लंबे समय से व्यापार युद्ध चल रहा था। कोरोना ने इसमें आग में घी का काम कर दिया। शुरुआती दौर में अमेरिका ने चीन को यह कह कर घेरने की कोशिश कि यह वुहान विषाणु है। अमेरिकी टिप्पणी से आहत होकर चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि इसकी शुरुआत तो अमेरिका के सैनिकों द्वारा की गई थी, जब वे वुहान में अभ्यास में पहुंचे थे, लेकिन तेजी से बदलते घटनाक्रमों के बीच दुनिया चीन को दोषी मानती रही। फिर पासा पलटा।

निश्चिंत अमेरिका और यूरोप जब इस बीमारी के चंगुल में फंसे तो उनकी सांसे थम गईं। कई यूरोपीय देश मसलन स्पेन, इटली, फ्रांस और इंग्लैंड कोरोना के जाल में बुरी तरह जकड़ते चले गए और चीन तो इसमें काफी पीछे छूट गया। खुद अमेरिका में हालात सबसे गंभीर हो गए। दूसरी ओर, निरंकुशता के दम पर चीन ने वुहान को कोरोना मुक्त घोषित करने की चाल चली। उसने अपने दुनिया के देशों के लिए मसीहा के रूप में एक ऐसे राष्ट्र की भूमिका में खड़ा कर दिया, जिससे दुनिया को लगने लगा कि इस हालत से बचाने की क्षमता अगर किसी देश के पास है, तो वह चीन है। इसी के तहत चीन ने इटली, स्पेन और कई यूरोपीय देशों को सुरक्षा किट भेजने की कूटनीति अपनाई। चीन के द्वारा इस बात की पुष्टि की जाने लगी कि उसका आर्थिक और राजनीतिक तंत्र ज्यादा कारगर और सटीक है।

पूरे विश्व में उदारवाद का पुरोधा अमेरिका और पश्चिमी दुनिया की राजनीतिक व्यवस्था हाशिए पर पहुंच गई है। दुनिया में इस बात की खूब चर्चा भी हो रही है। अब दुनिया तेजी से बदलने के लिए अभिशप्त है और इसका तीसरा दौर भी जल्दी ही शुरू हो गया। इसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर अमेरिका का गाज गिरी। अमेरिका ने इस संगठन पर चीन को बचाने के आरोप लगाते हुए उसे पैसा देना बंद कर दिया है। केवल अमेरिका ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों ने भी डब्ल्यूएचओ पर अंगुली उठानी शुरू कर दी। वहीं चीन जो इस बात का दावा कर रहा था कि उसके यहां से कोरोना खत्म हो चुका है, उसने फिर से चीन में दस्तक दे दी है। चीन ने पिछले पांच दशकों में प्रकृति का जितना दोहन किया है, उतना शायद ही किसी देश ने किया हो। हिमालय से बहने वाली नदियों के पर बड़े-बड़े बांध बना कर उनकी स्वाभाविक धारा को बदलने की साजिश रची गई, जिसका खमियाजा दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को झेलना पड़ रहा है। तिब्बत के मुहाने पर चीन ने आणविक कूड़ेदान की इजाजत दे दी, जहां से दर्जनों नदियों के शीतल जल का प्रवाह पच्चीस से तीस देशों के बीच होता है। जंगल काटे गए।

प्राकृतिक संतुलन ने वन्यजीव को भारी नुकसान पहुंचाया। अगर कोरोना विषाणु के कारणों को जानने की कोशिश करें, तो यही बातें विशेषज्ञों के द्वारा कही जा रही हैं। यह बात कई बार कही जा चुकी है कि 21वीं शताब्दी एशिया के देशों के लिए है। यह सच है कि इस बीमारी ने परिवर्तन की गति को बढ़ा दिया है। अमेरिका का पतन इस बीमारी के दौरान तीखे ढंग से महसूस किया गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहली घटना है जिसमें दुनिया के किसी देश ने अपने को बचाने के लिए अमेरिका से गुहार नहीं लगाई। खुद अमेरिका ने भी नेतृत्व देने की पेशकश नहीं की। कोरिया युद्ध से लेकर अफगानिस्तान संकट तक में अमेरिका संकट मोचक की तरह उपस्थित होकर अपना कूटनीतिक धर्म निभाने की जरूरत महसूस कराता था। लेकिन इस महामारी में वही सबसे ज्यादा संकट में है, इसलिए कैसे वह दूसरों के समक्ष मदद की पेशकश करता। संभवतः 'अमेरिका पहले' की नीति के तहत ही यह सब कुछ हो रहा है। दूसरा, जी-7 और जी-20 जैसे निगरानी करने वाले दुनिया के अमीर देशों के संगठन भी चुप्पी साधे रहे। इनके बीच बैठक हुई, तो उसमें एकात्मक भाव दिखाई नहीं दिया।

प्रश्न यह है कि क्या चीन ताजपोशी के लिए तैयार है या दुनिया के देश चीन को अपना प्रधान मानाने के लिए उत्सुक है? हालात बता रहे हैं कि चीन के लिए अमेरिका की तरह और अमेरिकी तर्ज पर दुनिया का प्रधान बनना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। कोरोना संकट ने इस दूरी को और बढ़ा दिया है। पहला, चीन की अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता खतरे में पड़ गई है। कई यूरोपीय देशों में जो सुरक्षा किट भेजे गए हैं, वे जांच में खतरे नहीं उतरे। भारत में जो किट चीन से आए, वे भी भरोसेमंद साबित नहीं हुए। चीन ने पूरी दुनिया को जिस तरह से खतरे में डाल दिया है, वह चीन की राजनीतिक व्यवस्था पर बेहद गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। मठाधीशी के लिए चीन पूरी दुनिया को हाशिए पर धकेल सकता है। अगर उसके हाथ में चाबुक चला गया तो कब विश्व प्राकृतिक विध्वंस के खंडहर में जा गिरेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। चीन का आर्थिक ढांचा इस वक्त खस्ताहाल हो चुका है। ऐसे में भी अगर वह इस बात का दावा कर रहा है कि उसकी व्यवस्था दुरुस्त हो गई है, तो यह केवल दुनिया को भ्रम में डालने से ज्यादा और कुछ नहीं है। चीन की आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ निर्यात है। अमेरिका, फ्रांस और यूरोप के कुछ देशों को चीन कुल निर्यात का 40 फीसद हिस्सा निर्यात करता है। लेकिन अब इन देशों ने चीन के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए है।

तकरीबन यही स्थिति दुनिया के दूसरे देशों की भी है। इस परिस्थिति में चीन की आर्थिक शक्ति कैसे बढ़ेगी। चीन के आर्थिक गलियारे का भी काम पूरी तरह से रुका हुआ है। अरबों डॉलर का कर्ज खटाई में जाता दिखाई दे रहा है। मलेशिया सहित कई देशों ने चीन की इस परियोजना पर सवाल खड़े किए हैं। दुनिया को जीतने के लिए चीन ने एक वैकल्पिक विश्व ढांचा बनाने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की जगह उसने अपने एक बैंक की स्थापना की, जो उससे ज्यादा रकम दुनिया के दूसरे देशों को दे सकता है। इसके अलावा उसने उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी तिलांजलि दे दी, जो उसकी बात से इत्तेफाक नहीं रखते। फिर भी चीन का दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनाने का सपना अधूरा ही रहेगा। यह भी साफ है कि अमेरिका भी मठाधीश नहीं होगा। तब कैसी होगी दुनिया की व्यवस्था? क्या रूस, भारत, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे देशों की अहमियत बढ़ जाएगी? बहरहाल, भारत ने इस नाजुक दौर में खुद की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है, क्योंकि अब दुनिया चीन की तरफ नहीं देख रही है। आने वाले वक्त में चीन से कई कंपनियां अपना कारोबार समेटेंगी।

विचार

ऋषि का जाना अखर गया...

इरफान खान के जाने का गम अभी लोग भूले भी नहीं थे, अब ऋषि कपूर भी दुनिया को अलविदा कह गए। ऋषि का जाना बहुत सारे लोगों को रुला गया। हमेशा दूसरों को हंसाने वाले ऋषि का जीवन बहुतों के लिए प्रेरणास्रोत है। हम उनके जीवन से सीख सकते हैं।

24 घंटे के भीतर दो जिंदादिल अभिनेताओं का यूं चले जाना दुखी कर देने वाला है। बुधवार को दुर्दिन तब देखा जब इस सदी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में शुमार इरफान खान के दिलों की धड़कन खामोश हो गई तो गुरुवार की सुबह भी बेहद गमगीन और दुखी कर देने वाली खबर लेकर आई जब भारतीय रजत पटल और हमारे दिलों में चमकता सितारा चिंटू यानी ऋषि कपूर की धड़कनें भी हमेशा-हमेशा के लिए खामोश हो गईं। इसे संयोग कहें या ईश्वर की अनोखी लीला कि इरफान और ऋषि दोनों वर्सटाइल स्टार थे। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत थे। दोनों को 2018 में ही अपनी बीमारी के बारे में पता चला। दोनों ही कैंसर की भयावहता को ईलाज के जरिए मात देकर मौत की कैद से बाहर निकले और दोनों की जीवनलीला महज 24 घंटे के भीतर 2020 के कोरोना काल से ग्रसित मनहूस अप्रैल में समाप्त हो गई। कपूर खानदान के चिराग चिंटू यानी ऋषि कपूर उस दौर के अभिनेता थे जब बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक अभिनेता प्रशंसकों पर हावी थे, तब ऋषि कपूर ने कदम रखा और अपनी उम्दा अदाकारी से सभी का दिल जीत लिया। उनकी एक से एक फिल्में हिट और सुपर हिट हो रही थीं। नौजवानों में एक्टिंग के साथ-साथ उनके पहनावे को भी पसंद किया जाता था।

कौन भूल सकता है फिल्मों में ऋषि कपूर द्वारा पहने जाने वाले वे रंग बिरंगे गोल गले के स्वेटर और ओपन जैकेट्स जिनमें ऋषि कपूर बेहद जंचते थे हर युवा की ख्वाहिश होती थी कि वह भी ऋषि कपूर की तरह ही ऐसे स्वेटर, जैकेट व बालबैटम पहनकर कालेज में दोस्तों की नजर में चढ़ जाए। पहनावा ही नहीं अदाओं, अभिनय, नृत्य और न जाने कितनी खूबियों के साथ उस दौर में ऋषि कपूर युवाओं के आईकॉन बन गए थे। 1952 में कपूर खानदान में जन्मे ऋषि कपूर ने फिल्मी कॅरियर का आगाज मेरा नाम जोकर में बाल कलाकार के रूप में किया। इसके बाद बॉबी से चॉकलेटी हीरो की इमेज के साथ रुपहले पर्दे पर लोगों की पसंद में शुमार हो गए। लैला मजनू, अमर अकबर एंथोनी, सागर, कर्ज, हिना, राम तेरी गंगा मैली, नसीब, कुली, चांदनी, आज के दौर की मुल्क जैसी न जाने कितनी सुपर डुपर हिट फिल्मों के जरिए लोगों में अमिट मुकाम बनाया।

चॉकलेटी हीरो का रोल हो या अग्निपथ में रउफ जैसे विलेन का किरदार सब ऋषि ने इतनी शिद्दत से निभाए कि चाहने वाले उनके अभिनय पर फिदा हो गए। अमिताभ और शाहरुख खान के बाद यदि फिल्मों में रोमांस के लिए किसी को जाना जाता है तो वह ऋषि कपूर ही थे। उनके निधन के बाद अमिताभ से लेकर लता जी के रुंधे गलों से जो शब्द निकल रहे हैं वे उनके एक भले इंसान होने पर भी मुहर लगा रहे हैं। देश दुनिया में उनके तमाम चाहने वालों के दिलों में ऋषि कपूर अपना एक अमिट स्थान बना चुके हैं। यह स्थान उनकी मौत रिक्त नहीं कर सकती है। आज भले ही ऋषि दुनिया से कूच कर गए हों लेकिन आमजन के दिलों में चिंटू हमेशा जीवित रहेगा।

श्रमिकों को समर्पित मजदूर दिवस

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस लाखों मजदूरों के परिश्रम, दृढ़ निश्चय और निष्ठा का दिवस है। एक मजदूर देश के निर्माण में बहुमूल्य भूमिका निभाता है और उसका देश के विकास में अहम योगदान होता है। किसी भी समाज, देश, संस्था और उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की अहम भूमिका होती है। मजदूरों के बिना किसी भी औद्योगिक ढांचे के खड़े होने की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए श्रमिकों का समाज में अपना ही एक स्थान है, जो कोई नहीं ले सकता।

एक मई अर्थात अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस। यह दिवस विशेषकर मजदूरों के लिए अपनी एकता प्रदर्शित करने का दिन माना जाता है। मजदूर लोग अपने अधिकारों एवं उनकी रक्षा को लेकर प्रदर्शन करते हैं। अगर आज के परिदृश्य में यदि हम मजदूर दिवस की महत्ता का आकलन करें तो पाएंगे कि इस दिवस की महत्ता पहले से भी कहीं ज्यादा हो गई है। वैश्विक पटल पर एक बार फिर पूंजीवाद का बोलबाला सिर चढ़कर बोल रहा है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था ने सदैव गरीब मजदूरों का शोषण किया है, उनके अधिकारों पर कुठाराघात किया है और उन्हें जिंदगी के उस पेचीदा मोड़ पर पहुंचाया है, जहां वह या तो आत्महत्या करने के लिए विवश होता है, या फिर उसे अपनी नियति को कोसते हुए भूखा-नंगा रहना पड़ता है।

1750 के आसपास यूरोप में औद्योगिक क्रांति हुई थी। उसके परिणामस्वरूप मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय होती चली गई। मजदूरों से लगातार 12-12 और 18-18 घंटों तक काम लिया जाता, न कोई अवकाश की सुविधा और न दुर्घटना का कोई मुआवजा। ऐसे ही अनेक मूल कारण रहे, जिन्होंने मजदूरों की सहनशक्ति की हदों को चकनाचूर कर डाला। यूरोप की औद्योगिक क्रांति के अलावा अमेरिका, रूस, आदि विकसित देशों में भी बड़ी-बड़ी क्रांतियां हुईं और उन सबके पीछे मजदूरों का हक मांगने का मूल मकसद रहा। अमेरिका में 19वीं सदी की शुरुआत में ही मजदूरों ने 'सूर्योदय से सूर्यास्त' तक काम करने का विरोध करना शुरू कर दिया था। जब 1806 में फिलाडेल्फिया के मोचियों ने ऐतिहासिक हड़ताल की तो अमेरिका सरकार ने साजिशन हड़तालियों पर मुकदमे चलाए। तब इसका खुलासा हुआ कि मजदूरों से 19-20 घंटे बड़ी बेदर्दी से काम लिया जाता है।

19वीं सदी के दूसरे और तीसरे दशक में तो मजदूरों में अपने हकों की लड़ाई के लिए खूब जागरूकता आ चुकी थी। इस दौरान एक 'मैकेनिक्स यूनियन ऑफ फिलाडेल्फिया' नामक श्रमिक संगठन का गठन भी हो चुका था। यह संगठन सामान्यतः दुनिया की पहली टेऊड यूनियन मानी जाती है। इस यूनियन के तत्वाधान में मजदूरों ने 1827 में एक बड़ी हड़ताल की और काम के घंटे घटाकर दस रखने की मांग की। इसके बाद इस मांग ने बहुत बड़े आंदोलन का रूप ले लिया, जो कि कई वर्षों तक चला। बाद में, वॉन ब्यूरेन की संघीय सरकार को इस मांग पर मुहर लगाने को विवश होना पड़ा।

इस सफलता ने मजदूरों में एक नई ऊर्जा का संचार किया। कई नई यूनियनें जैसे 'मोल्डर्स यूनियन', और 'मेकिनिस्ट्स यूनियन' आदि भी अस्तित्व में आईं और उनका दायरा बढ़ता चला गया। कुछ दशकों बाद आस्ट्रेलिया के मजदूरों ने संगठित होकर 'आठ घंटे काम' और 'आठ घंटे आराम' के नारे के साथ संघर्ष शुरू कर दिया। इसी तर्ज पर अमेरिका में भी मजदूरों ने अगस्त-1866 में स्थापित राष्ट्रीय श्रम संगठन 'नेशनल लेबर यूनियन' के बैनर तले 'काम के घंटे आठ करो' आंदोलन शुरू कर दिया। वर्ष 1868 में इस मांग के ही ठीक अनुरूप एक कानून अमेरिकी कांग्रेस ने पास कर दिया। अपनी मांगों को लेकर कई श्रम संगठनों 'नाइट्स ऑफ लेबर', 'अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर' आदि ने भी हड़तालों का सिलसिला जारी रखा। 19वीं सदी के आठवें व नौंवे दशक में हड़तालों की बाढ़ सी आ गई थी।

'मई दिवस' मनाने की शुरुआत दूसरे इंटरनेशनल द्वारा 1886 में हेमार्केट घटना के बाद हुई। दरअसल, शिकागों के इलिनोइस (संयुक्त राज्य अमेरिका) में तीन दिवसीय हड़ताल का आयोजन किया गया था। इसमें 80 हजार से अधिक आम मजदूरों, कारीगरों, व्यापारियों और अप्रवासी लोगों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। हड़ताल के तीसरे दिन पुलिस ने मेकॉर्मिक हार्वेस्टिंग मशीन कंपनी संयंत्र में घुसकर शांतिपूर्वक हड़ताल कर रहे मजदूरों पर फायरिंग कर दी, जिसमें संयंत्र के छह मजदूर मारे गए और सैंकड़ों बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के विरोध में अगले दिन 4 मई को हेमार्केट स्क्वायर में रैली का आयोजन किया गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए जैसे ही आगे बढ़ी, एक अज्ञात हमलावर ने पुलिस के दल पर बम फेंक दिया। इस विस्फोट में एक सिपाही की मौत हो गई। इसके बाद मजदूरों और पुलिस में सीधा खूनी टकराव हो गया। इस टकराव में सात पुलिसकर्मी और चार मजदूर मारे गए तथा दर्जनों घायल हो गए।

इस घटना के बाद कई मजदूर नेताओं पर मुकदमे चलाए गए। अंत में न्यायाधीश ने 11 नवंबर, 1887 को चार मजदूर नेताओं स्पाइडर, फिशर, एंजेल तथा पारसन्स को मौत और अन्य कई लोगों को लंबी अवधि की कारावास की सजा सुनाई। इस ऐतिहासिक घटना को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से वर्ष 1888 में अमेरिकन फेडरेशन ऑफ लेबर ने इसे मजदूरों के बलिदान को स्मरण करने और अपनी एकता को प्रदर्शित करते हुए अपनी आवाज बुलंद करने के लिए प्रत्येक वर्ष एक मई को 'मजदूर दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

बहरहाल, इस पूंजीवादी अर्थव्यवस्था से लड़ने एवं अपने अधिकारों को पाने और उनकी सुरक्षा करने के लिए मजदूरों को जागरूक एवं संगठित करने का बहुत बड़ा श्रेय साम्यवाद के जनक कार्ल मार्क्स को जाता है। कार्ल मार्क्स ने समस्त मजदूर-शक्ति को एक होने एवं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना सिखाया था। कार्ल मार्क्स ने जो भी सिद्धांत बनाए, सब पूंजीवादी अर्थव्यस्था का विरोध करने एवं मजदूरों की दशा सुधारने के लिए बनाए थे। कार्ल मार्क्स का पहला उद्देश्य श्रमिकों के शोषण, उनके उत्पीड़न तथा उन पर होने वाले अत्याचारों का कड़ा विरोध करना था। कार्ल मार्क्स का दूसरा मुख्य उद्देश्य श्रमिकों की एकता तथा संगठन का निर्माण करना था। उनका यह उद्देश्य भी बखूबी फलीभूत हुआ और सभी देशों में श्रमिकों एवं किसानों के अपने संगठन निर्मित हुए। ये सब संगठन कार्ल मार्क्स के नारे, 'दुनिया के श्रमिकों एक हो जाओ' ने ही बनाए। इस नारे के साथ कार्ल मार्क्स मजदूरों को ललकारते हुए कहते थे कि 'एक होने पर तुम्हारी कोई हानि नहीं होगी, उलटे, तुम दासता की जंजीरों से मुक्त हो जाओगे'।

कार्ल मार्क्स चाहते थे कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था स्थापित हो, जिसमें लोगों को आर्थिक समानता का अधिकार हो और जिसमें उन्हें सामाजिक न्याय मिले। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को कार्ल मार्क्स समाज व श्रमिक दोनों के लिए अभिशाप मानते थे। वे तो हिंसा का सहारा लेकर पूंजीवाद के विरुद्ध लड़ने का भी समर्थन करते थे। इस संघर्ष के दौरान उनकी प्रमुख चेतावनी होती थी कि वे पूंजीवाद के विरुद्ध डटकर लड़ें, लेकिन आपस में निजी स्वार्थपूर्ति के लिए कदापि नहीं। कार्ल मार्क्स ने मजदूरों को अपनी हालत सुधारने का जो सूत्र 'संगठित बनो व अधिकारों के लिए संघर्ष करो' दिया था, वह आज के दौर में भी उतना ही प्रासंगिक बना हुआ है। लेकिन, बड़ी विडंबना का विषय है कि यह नारा आज ऐसे कुचक्र में फंसा हुआ है, जिसमें संगठन के नाम पर निजी स्वार्थ की रोटियां सेंकी जाती हैं और अधिकारों के संघर्ष का सौदा तक किया जाता है।

ट्विटर

ऋषि कपूर का जाना बेहद दुखद है। इतनी कम उम्र में भला कोई जाता है क्या? मगर नियति के आगे किसी का वश नहीं चल सकता। ऋषि को श्रद्धांजलि।

लता मंगेशकर, पार्श्व गायिका

मेरे प्यारे दोस्त ऋषि कपूर का छोड़कर जाना मैं बर्दाश्त नहीं कर पा रहा। इस घटना से मैं बुरी तरह टूट गया हूं। इसकी भरपाई कभी भी मेरे लिए संभव नहीं है।

अमिताभ बच्चन, अभिनेता

सत्यार्थ

जो क्रोधी नहीं, वही श्रेष्ठ

एक बार एक संत के पास दो विद्वान आए। दोनों स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ बता रहे थे। उन्होंने संत से अनुरोध किया कि वे तय करें कि दोनों में कौन श्रेष्ठ है। संत ने परीक्षा ली तो दोनों ही एक-दूसरे से बढ़कर निकले। वे समझ ही नहीं पा रहे थे कि किसको श्रेष्ठ बताएं। फिर कुछ सोचकर बोले-अभी तक तो तुम दोनों बराबर हो, पर तुम्हारी एक और परीक्षा ली जाएगी और जो उसमें उत्तीर्ण होगा, उसे ही श्रेष्ठ माना जाएगा। संत ने दोनों के पास फल-फूल व अन्य वस्तुएं रख दीं और फिर उनसे कई विषयों पर चर्चा करने लगे। एक प्रश्न पर दोनों ही विद्वान अड़ गए और संत के जवाब को गलत साबित करने लगे। इस पर संत आवेश में आ गए और उन्हें भला-बुरा कहने लगे। उन्हें गुस्से में देख पहले विद्वान ने खुद को काबू में रखकर धैर्य से अपना पक्ष रखा। इसके विपरीत दूसरा विद्वान अनाप-शनाप बकने लगा। गुस्से में उसने फल-फूल भी फेंक दिए। यहां तक कि संत से हाथापाई करने पर उतारू हो गया। यह देखकर संत बोले- बस, तुम्हारी परीक्षा खत्म हुई। अब शांत हो जाओ। दोनों चुप हो गए। संत ने कहा- यूं तो तुम दोनों ही ज्ञानी व विद्वान हो, पर श्रेष्ठ तुममें से यह है। उन्होंने पहले विद्वान की तरफ इशारा किया। इससे दूसरा विद्वान हैरान रह गया। वह बोला-महोदय, मैंने भी आपके सवालों के सही-सही जवाब दिए हैं, फिर आपने फैसला उन के पक्ष में क्यों दिया? इस पर संत ने कहा-तुम में ज्ञान की कमी नहीं है, पर तुम क्रोध पर काबू नहीं रख पाते हो। याद रखो, क्रोधी व्यक्ति कभी भी अपने ज्ञान का उपयोग नहीं कर पाता है। यह सुनकर दूसरा विद्वान लज्जित हो गया और उसने हमेशा-हमेशा के लिए क्रोध करना छोड़ दिया।

जिंदादिली की मूरत थे ऋषि कपूर

'दर्दे-ए-दिल दर्द-ए-जिगर, दिल में जगाया आपने'

ऋषि कपूर की जिंदगी को बंया करती हैं ये खूबसूरत तस्वीरें

बचपन की मासूमियत।

लता मंगेशकर की गोद में ऋषि।

ऋषि कपूर बेटे रणबीर कपूर के साथ एक खास बॉन्ड शेयर करते थे। वह रणबीर को प्यार करने के अलावा उनकी गलती पर डांटते भी थे। इसके बाद भी रणबीर कपूर ने कभी भी पिता से बदतमीजी से या उंचे स्वर में बात नहीं करते थे।

ऋषि कपूर का नाम आते ही मन में एक ऐसे कलाकार की तस्वीर उभरती है जिन्होंने अभिनय के हुनर को अपनी रगों में बसा लिया था। कड़ी साधना और परिश्रम से ही कोई 'ऋषि' बनता है। ऋषि कपूर का नाम आते ही मन में एक ऐसे कलाकार की तस्वीर उभरती है जिन्होंने अभिनय के हुनर को अपनी रगों में बसा लिया था। फिल्म जगत के एक बड़े और मशहूर परिवार से आने के बावजूद ऋषि कपूर ने अपनी मेहनत से ही फिल्मों में लोहा मनवाया और इंडस्ट्री के महाना कलाकारों में शुमार हो गए।

हर मुश्किल घड़ी में साए की तरह ऋषि कपूर के साथ रहीं नीतू सिंह

कपूर खानदान के लिए ये वक्त काफी मुश्किलों भरा है। कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद आखिरकार ऋषि कपूर ने दुनिया को अलविदा कह दिया। न्यूयॉर्क में कैंसर का इलाज करवाने के बाद ऋषि कपूर वापस भारत लौट आए थे। ऐसे मुश्किल वक्त में पत्नी नीतू कपूर उनके साथ हमेशा साए की तरह खड़ी रहीं।

नीतू और ऋषि कपूर बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में शुमार थे हालांकि दोनों की पहली फिल्म 'जहरीला इंसान' बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। नीतू महज 14 साल की थीं जब वो ऋषि कपूर को डेट करने लगी थीं। उस समय नीतू इंडस्ट्री में बिलकुल नई थीं। ऋषि कपूर फिल्म के सेट पर नीतू को छेड़ते रहते थे। उनकी इस आदत से नीतू परेशान हो जाया करती थीं। इसी बीच दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार। फिल्म 'खेल-खेल में' के दौरान दोनों ने एक दूसरे को सीरियसली लेना शुरू कर दिया। ऋषि कपूर और नीतू कपूर ने साथ में कई फिल्में कीं। इनमें 'रफू चक्कर', 'दूसरा आदमी', ' कभी-कभी', 'अमर अकबर एंथनी' जैसी कई फिल्मों में इस जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया। तब तक इंडस्ट्री में यह खबर फैल चुकी थी कि नीतू और ऋषि शादी कर सकते हैं। एक इंटरव्यू में नीतू ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि ऋषि बहुत ही स्ट्रिक्ट बॉयफ्रेंड थे। वो उनको 8:30 के बाद काम करने से मना करते थे। नीतू की मां को उनका और ऋषि का साथ घूमना पसंद नहीं था। जब भी दोनों डेट पर जाते तो नीतू की मां उनके कजिन को साथ भेजती थीं। पांच साल डेट करने के बाद साल 1980 में ऋषि और नीतू ने शादी कर ली।

अपनी शादी में हो गए थे बेहोश

यहां मजेदार बात यह थी कि ऋषि और नीतू दोनों ही अपनी शादी में बेहोश हो गए थे। नीतू जहां अपना लहंगा संभालते-संभालते बेहोश हो गई थीं वहीं ऋषि अपने आसपास बहुत ज्यादा भीड़ देखकर परेशान हो गए थे और बेहोश हो गए थे। जब वो दोनों ठीक हुए तब शादी की रस्में पूरी हुईं।

सुबह साढ़े छह बजे ही खोल लेते थे व्हिस्की की बोतल

ऋषि ने कहा था कि खाने-पीने का शौकीन होने का जो कपूर परिवार और खानदान पर दोष है, वह मेरे अंदर भी आ गया था। साथ ही यह भी बताया कि वह सुबह सूर्य को प्रणाम कर शराब का सेवन करते थे। इसकी वजह यह बताई कि रात भर काम चलता था, सुबह पैक अप होता था तो तभी शराब पी लिया करते थे। शराब के दीवाने तो ऋषि के पिता राज कपूर भी थे। इतने कि एक बार सड़क मार्ग से सफर के दौरान वह सड़क किनारे ही चादर बिछा कर बैठ गए थे और घंटों शराब कि महफिल जमाई थी। उस महफिल में कई ट्रक ड्राइवर भी शामिल हुए थे।

आ अब लौट चलें... और इसके बाद डायरेक्शन में नहीं लौटे ऋषि

ऋषि ने अपने करियर में सिर्फ़ एक फिल्म का निर्देशन किया था। यह फिल्म थी 1999 में आयी आ अब लौट चलें। यह फ़िल्म उनके परिवार के प्रोडक्शन हाउस आरके फिल्म की भी आखरी फिल्म थी। इस रोमांटिक म्यूज़िकल फिल्म में ऋषि ने हिंदी सिनेमा के एक और सितारे राजेश खन्ना को निर्देशित किया था। आ अब लौट चलें में मुख्य किरदार अक्षय खन्ना, सुमन रंगनाथन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने निभाये थे। ऐश्वर्या के करियर की यह दूसरी हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म के बाद ऋषि ने डायरेक्शन की कोशिश नहीं की।

ऋषि कपूर की आखिरी इच्छा रह गई अधूरी

बॉलीवुड में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले ऋषि कपूर की ख्वाहिश थी कि उनके जीवित रहते उनके बेटे रणबीर कपूर की शादी हो जाए जो उनके निधन के बाद अधूरी रह गई। ऋषि कपूर ने गुरुवार को इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। ऋषि कपूर ने अपने करियर में काफी ऊंचाइयां देखीं लेकिन निजी जिंदगी में उनकी एक इच्छा अधूरी रह गई। कैंसर का इलाज कराकर जब ऋषि कपूर ने वापसी की तो लगा था उनका अधूरा सपना अब पूरा हो जाएगा ,लेकिन यह पूरा नहीं हो सका। ऋषि कपूर चाहते थे कि उनके बेटे रणबीर कपूर की शादी जल्द से जल्द हो जाए। कई बार ये खबर भी आई कि रणबीर की शादी की तारीख निकलने वाली है।

आखिरी ट्वीट में कोरोना से जंग जीतने की इच्छा जताई थी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर ने अपने आखिरी ट्वीट में वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) से जंग जीतने की इच्छा जताई थी। ऋषि कपूर सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव थे। वह कोरोना वायरस के प्रति लोगों को जागरूक और लोगों से घरों में ही रहने की अपील करते रहते थे। कोरोना से जंग लड़ रहे डॉक्टरों, नर्सों और मेडिकल स्टाफ के लोगों पर जारी हमलों पर उन्होंने सख्त नाराजगी जाहिर की थी और सभी देशवासियों से अपील कि वे हिंसा का सहारा न लें। दो अप्रैल की शाम ऋषि कपूर ने आखिरी ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने अपनी एक इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने ट्वीट कर कहा था, ''मेरी हर धर्म और जाति के सभी भाइयों और बहनों से हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि प्लीज हिंसा न करें। डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों और मेडिकल स्टाफ पर न तो पत्थर फेंके और न ही मारे-पीटें। वे सभी अपनी जिंदगियां खतरे में डालकर आपको बचा रहे हैं। हमें मिलकर कोरोना से इस जंग को जीतना है।

अस्पताल में फैन को दिया था आशीर्वाद, निधन के बाद वीडियो वायरल

ट्विटर पर निधन की खबर सामने आने के बाद सोशल फैंस के शोक की लहर छा गई। लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए ट्विटर पर पुराने वीडियो और हाल की तस्वीरों को शेयर करना शुरू कर दिया। इसी बीच अब अस्पताल में बेड पर लेटे ऋषि कपूर का फैन के साथ एक वीडियो वायरल रहा है। इस वीडियो में फैन पुराना गाना गा रहा है और उसके बाद ऋषि कपूर उन्हें आशीर्वाद देते दिख रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो कब का है। ट्विटर हैंडल QuirkyNaari ने वीडियो को कैप्शन के साथ शेयर किया, वास्तव में रो रहे हैं। उनकी आत्मा और उनकी आवाज, अभी भी जीवन से भरी है। ऋषि कपूर, आपको बहुत प्यार किया गया। उनका आखिरी वीडियो। इस एक मिनट के वीडियो में फैन ऋषि कपूर स्टारर फिल्म दीवाना का गाना तेरे दर्द से दिल आबाद रहा गा रहा है। इस सब के दौरान, ऋषि को वीडियो में मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है।

लॉकडाउन के दौरान घर पर योग करते ऋषि कपूर का आखिरी वीडियो वायरल, फैन्स की आंखों में आए आंसू

सोशल मीडिया पर ऋषि कपूर से जुड़े हर एक पहलुओं पर बात हो रही है। कोई पुरानी तस्वीरें शेयर कर रहा है, तो कोई उनसे पहली बार मिलने या काम करने के अनुभव बता रहा है। इसी बीच हमेशा अपनी बेबाकी के लिए पहचाने जाने वाले ऋषि कपूर का एक आखिरी वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह योग करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो लॉकडाउन के दौरान का है जिसे उनकी पत्नी नीतू कपूर ने शेयर किया था। नीतू कपूर ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा था, 'वर्चुअल योगा कर रहे हैं... घर पर रहो, स्वस्थ रहो।'

बॉबी के लिए पैसे देकर खरीदा था ऋषि कपूर ने अवार्ड

बॉलीवुड के नायाब अभिनेता ऋषि कपूर ने फिल्म बॉबी के लिये पैसे देकर अवार्ड खरीदा था जिसका पछतावा उन्हें जीवन भर रहा। यह खुलासा उन्होंने खुद ही किया था। ऋषि कपूर ने एक बार खुलासा किया था कि फिल्म 'बॉबी' के लिये उन्होंने बेस्ट एक्टर का अवार्ड 30 हजार रुपये देकर खरीदा था। ऋषि ने बताया था'' तब मैं उम्र में काफी छोटा था और मैंने एक शख्स को 30 हजार रुपए देकर 'बेस्ट एक्टर' का अवार्ड खरीद लिया। जिसका मुझे आज तक पछतावा है। ऋषि कपूर ने यूं तो अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष अपने पिता की निर्मित फिल्म ''मेरा नाम जोकर'' से की । हालांकि बतौर मुख्य अभिनेता ऋषि कपूर ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1973 में प्रदर्शित राजकपूर निर्मित बॉबी से की थी। बतौर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की भी यह पहली ही फिल्म थी। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की जबरदस्त कामयाबी ने न सिर्फ डिंपल कपाड़िया बल्कि ऋषि कपूर को भी शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचा दिया।

ऋषि कपूर को फिल्म बॉबी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया था।

चांदनी से लेकर कर्ज तक, अपने किरदार से ऋषि कपूर ने लूटा सबका दिल

ऋषि कपूर ने हिंदी सिनेमा में हर तरह का किरदार निभाया है। ब? परदे पर जब भी वे आते थे तहलका मचा देते थे। ऋषि कपूर ने फिल्म बॉबी, चांदनी, दिवाना, नगीना, प्रेम रोग, हीना, प्रेम ग्रन्थ जैसे सुपरहिट फिल्मों में अहम् किरदार निभाया है।

श्रीदेवी और ऋषि कपूर स्टारर सुपरनेचुरल फिल्म **'नगीना'** वाकई में सभी को हैरान कर देने वाली फिल्म थी।

कर्ज ने ऋषि कपूर के एक्टिंग करियर में मोड़ ला दी थी। उनके अपोजिट टीना मुनिन थी। याद हैं वो गाना एक हसीना थी, एक दिवाना था।

70 दशक की सुपरहिट फिल्म **अमर अकबर अन्थोनी** आज भी सभी याद है। यह तीन भाइयों की कहानी है जो एक दुसरे से बिछड़ जाते है। विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर तीन भाई थे। सबसे छोटे भाई का करदार ऋषि कपूर ने निभाया था।

1989 में आई **चांदनी** ऋषि कपूर और श्रीदेवी की केमिस्ट्री ने फिल्म चांदनी में तहलका मचा दी थी। इस फिल्म के सारे गाने और कहानी लोगों को बहुत पसंद आई थी।

1979 में आई **सरगम** फिल्म सरगम में ऋषि कपूर और जाया बाधुरी की केमिस्ट्री को बहुत सरहाया गया था। इस मूवी का गाना 'डफली वाले' बहुत फेमस हुआ था।

बोल राधा बोल फिल्म साल 1992 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन डेविड धवन द्वारा किया गया है और मुख्य भूमिकाओं में ऋषि कपूर और जूही चावला थे। फिल्म रिलीज होने के बाद एक बड़ी हिट साबित हुई और साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। जूही चावला को फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार में नामांकन मिला था।

1973 में आई फिल्म 'बॉबी' से बतौर हीरो अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके लिए ऋषि कपूर को बेस्ट एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया था। फिल्म को ऋषि के पिता राज कपूर ने डायरेक्ट किया था और फिल्म में ऋषि कपूर के अपोजिट डिंपल कपाड़िया नजर आई थीं। तब से लेकर आजतक वह हर किसी के दिलों पर राज कर रहे हैं।

गीतिका विद्या ओहल्यान और दीप्ति नवल में हैं कई समानताएं

'सोनी' और, थप्पड़ 'जैसी फिल्मों के साथ एक अभिनेत्री के रूप में अपनी भूमिका को साबित करने के बाद, गीतिका विद्या ने बॉलीवुड में अपने लिए एक अनूठी जगह बना ली है। वह अपनी आगामी फिल्म बारह बाय बारह में एक और प्रदर्शन के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। इस फीचर फिल्म में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में देश के लिए वाहवाही बटोरने की सभी सामग्रियां हैं। गीतिका को पवन एंड पूजा वेबसीरीज में वर्सटाइल अभिनेत्री दीप्ति नवल के साथ काम करने का मौका मिला। दीप्ति और गीतिका रंगमंच से सिनेमा तक एक परिवर्तन लाई हैं। और दोनों भी आउट्साइडर हैं, जिन्होंने किसी गॉडफादर के सपोर्ट बिना खुद को बनाया है।

कई अन्य चीजें हैं जो दो पावरहाउस अभिनेत्रियों के एक-दूसरे के साथ समान हैं। जिस सरलता से दीप्ति और गीतिका अपने किरदार जीवित करती हैं वह अविश्वसनीय है। यह एक ऐसा गुण है जो उन्हें दर्शकों के लिए खुद को तैयार करने में मदद करता है। 70 और 80 के दशक के दौरान, दीप्ति नवल इमर्जिंग पैरलेल सिनेमा का चेहरा थीं। और गीतिका, अपनी ऑफबीट भूमिकाओं के साथ,

जल्द ही आज के नए जमाने के सिनेमा की लहर के साथ ताल बिठाने वाली हैं।

गीतिका विद्या कहती हैं कि हमारी पहली बातचीत उनके खूबसूरती से जगमगाती वैन में हुई। इसी दौरान मैंने अब्जर्व किया की किस तरह वह पूजा (वेब सीरीज में उनके किरदार) के लिए कपड़े के फैब्रिक पर ध्यान देती हैं, मुझे अपनी स्टेज सेंसिबिलिटी की याद आ गई कि एक एक्टर की सजगता और आत्म-मूल्य की समझ, कागज पर लिखे चरित्र को एक विश्वसनीय और सम्मानजनक जीवन देती है। पवन एंड पूजा शो में, गीतिका और दीप्ति अन्य अभिनेताओं के साथ दिखाई देते हैं जैसे महेश मांजरेकर, शरमन जोशी, गुल पनाग, मृणाल दत्त, नताशा भारद्वाज और मैरियट वाल्सन। शो में सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, शाद अली व अजय भुयान जैसे मेकर्स जुड़े हैं।

खैर, उनकी समानताएं यहीं समाप्त नहीं होती हैं। दीप्ति और गीतिका ने अभिनय का कोर्स किए बिना उद्योग में कदम रखा था, उनकी तैयारी का तरीका भी समान रूप से है। दीप्ति नवल की तरह ही चश्मे बद्दूर में उनके मध्यवर्गीय चरित्र तथा गीतिका के मध्यवर्गीय सब इंस्पेक्टर के चित्रण ने दर्शकों के मन पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी थी। गीतिका की पहली फिल्म सोनी, तुरंत उस तरह की सिनेफिल्मों की याद दिलाती है जिस तरह की फिल्मों में दीप्ति नवल को प्रमुखता से देखा था। 70 और 80 के दशक के पैरलेल सिनेमा की सामाजिक-राजनीतिक जलवायु पर गहरी नजर थी। उनमें से कुछ ने गीत व संगीत की मुख्यधारा की सिनेमा शैलियों को खारिज कर दिया। चूंकि, ओहल्यान की पहली मुख्य भूमिका में कोई गीत या पृष्ठभूमि संगीत नहीं था, इसलिए कलाकार के काम को आसान बनाने, उनके अभिनय के प्रति गंभीरता और गहराई देखी जा सकती है।

छोटा पर्दा

जवाबदेही के लिए कविता ने पुलिस को किया सलाम

कार्तिक पूर्णिमा शो में सोनी मेहरा का किरदार निभा रही एक्ट्रेस कविता घई इन दिनों अपने दिल्ली वाले घर पर अपने पूरे परिवार के साथ अपना क्वारेंटाइन टाइम बीता रही हैं। इस दौरान कविता घई ने जब अपनी घर की छत से कॉलोनी में गुजरते हुए कुछ पुलिसकर्मियों को देखा तो उन्होंने उन्हें पूरे सम्मान के साथ सल्यूट किया। एक्ट्रेस कविताबताती हैं कि मैं हमेशा से एंजल्स में विश्वास रखती हूं इसलिए तो भगवान ने भी बेटियों के रूप में मुझे एंजल्स दी हैं। हमारा देश इस समय बहुत कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है। ऐसे में घर से निकलना बहुत जोखिम भरा साबित हो सकता है, फिर भी हमारी पुलिस, डॉक्टर्स, नर्सेस, सफाईकर्मी सभी एनजीओ वाले हमारे लिए अपनी जान पर खेलकर काम कर रहे हैं और लोगों की मदद कर रहे हैं। यह सब करने के लिए बहुत हिम्मत की जरूरत है यह काम हर कोई नहीं कर सकता। मैं इन लोगों को एक रियल लाइफ एंजल्स के रूप में देख रही हूं जो हमसभी की जान बचाने के लिए अपना दिनरात एक कर दे रहे हैं।

लॉकडाउन खुलते ही करूंगी बप्पा के दर्शन : मदिराक्षी

जग जननी मां वैष्णो देवी शो की एक्ट्रेस मदिराक्षी मुंडले ने लॉकडाउन के बाद की प्लॉनिंग भी अभी से कर रखी है। उन्होंने बताया कि जैसे ही यह लॉकडाउन खुलेगा, वह सबसे पहले अपने बप्पा से मिलने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचेंगी। एक्ट्रेस मदिराक्षी मुंडले ने बताया कि मैं हमेशा से बुधवार के दिन अपने बाप्पा से मिलने सिद्धिविनायक मंदिर जरूर जाती थी, पर जबसे लॉकडाउन लगा है, उन्हें देखने के लिए मेरी आंखें तरस गई हैं। मनो कुछ अधूरा सा है। सरकार द्वारा लिए गए फैसले का मैं सम्मान करती हूं और लोगों से भी गुजारिश करूंगी कि वह अपने घरों में और सुरक्षित रहें। मदिराक्षी के कहा कि अभी देखना है हालात क्या बनते हैं पर लॉकडाउन खत्म होते ही सबसे पहले मैं सिद्धिविनायक जी के दर्शन करने जाऊंगी। कोरोना के संक्रमण को देखते हुए ग्लव्स और मास्क पहनकर पूरे सेनिटाइजेशन के साथ जाऊंगी और उनसे देश की सलामती की कामना करूंगी।

ग्रेसी सिंह ने अपने लुक को और वास्तविक बनाया

ग्रेसी सिंह एंडटीवी शो के संतोषी मां सुनायें व्रत कथायें में दर्शकों की सबसे पसंदीदा संतोषी मां हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि शो में वह अपने ज्वैलरी लुक को खुद तैयार करती हैं? उन्होंने बताया कि चूंकि मैं डांसर हूं तो अलग-अलग शहरों में यात्रा करती रहती हूं। एक बार दक्षिण भारत की मेरी यात्रा के दौरान, मुझे वहां सुंदर-सुंदर डिजाइनों वाली बहुत ही अद्भुत ज्वैलरी देखने को मिली। मैंने उन्हें फौरन खरीद लिया और अपने कलेक्शन में शामिल कर लिया। मुझे पूरा भरोसा था कि यह मेरे संतोषी मां के कॉस्ट्यूम से बखूबी मेल खाएंगी और कैरेक्टर को और भी वास्तविक बनाएंगी। मेरा मानना है कि सभी को अपने किरदार में निवेश करना चाहिए, तभी वे उस किरदार से न्याय कर सकते हैं। मुझे खुशी है कि लोग मेरे द्वारा निभाए गए इस किरदार को पसंद कर रहे हैं और ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं सिर्फ एक किरदार नहीं अदा कर रही हूं बल्कि उसे जी रही हूं। **'संतोषी मां सुनायें व्रत कथाएं , हर सोमवार से शुक्रवार, रात 9 बजे केवल एंडटीवी पर।**

कहत हनुमान जय श्री राम' में राम ने किया 48 घंटे डांस

एंडटीवी के 'कहत हनुमान जय श्री राम' में महादेव की भूमिका निभा रहे राम यशवर्द्धन को इस इंटरनेशनल डांस डे पर शो के सेट्स में एक थकाने और सिखाने वाला अनुभव हुआ। वह भगवान शिव की भूमिका में हैं और उन्हें खुद तांडव नृत्य बहुत पसंद है, इतना कि वे 48 घंटो तक नाचते रहे। हां, आपने सही सुना। डांस सीक्वेंस दो दिन तक चला और राम सीन की मांग के अनुसार भरपूर एनर्जी और आक्रामकता से नाचे। राम अपने नाम के कारण भगवान शिव से जुड़ा हुआ अनुभव करते हैं और उनके सीन करते समय अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करते हैं। तांडव के प्रति अपने प्रेम के बारे में राम ने कहा कि मुझे बचपन से ही तांडव एक कला रूप के तौर पर पसंद है। यह अत्यंत शक्तिशाली डांस है, क्योंकि इसमें भगवान शिव की तीव्र भावनाएं व्यक्त होती हैं। **'कहत हनुमान जय श्री राम' शो, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 9.30 बजे एंडटीवी पर।**

तो ये हैं शक्ति मोहन के डांस के सबसे यादगार पल

भारत का अग्रणी हिंदी मनोरंजन चैनल और एक जिम्मेदार प्रसारक होने के नाते जीटीवी ने पिछले 27 वर्षों से एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों के जरिए अपने दर्शकों का मनोरंजन किया है और हर अच्छे-बुरे वक्त में उनकी जिंदगी का हिस्सा रहा है। ऐसे समय में जहां दर्शक सामाजिक दूरी बना रहे हैं और ज्यादातर वक्त अपने घरों पर बिता रहे हैं, वहीं जनता की भारी मांग पर जीटीवी अपने रियलिटी शोज के कुछ सबसे लोकप्रिय सीजन्स दोबारा दिखा रहा है। सुपरहिट जजों की तिकड़ी टेरेंस लुइस, रेमो डिसूजा और गीता कपूर के साथ डांस इंडिया डांस सीजन 2ए जिसमें डांसिंग सितारों के बीच रोमांचक युद्ध हुआ था, भी इस लॉकडाउन के दौरान एक बार फिर जीटीवी पर दिखाया जा रहा है। इस पॉपुलर शो की विजेता बनने तक के शक्ति मोहन के सफर के चलते दर्शक इस शो की दोबारा हुई शुरुआत से ही इस पर अपना प्यार बरसा रहे हैं। असल में शक्ति मोहन ने जब से डांस इंडिया डांस 2 जीता,तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और वो अपनी सफलता का श्रेय इस शो को ही देती हैं।

डांस इंडिया डांस सीजन 2 हर रविवार दोपहर एक बजे सिर्फ जीटीवी पर।

नया चैनल, 'शेमारू टीवी' की शुरुआत आज से

शानदार कंटेंट प्रदान करने वाली कंपनी शेमारू इंटरटेनमेंट लिमिटेड पिछले 57 सालों से भारतीय दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। और अब यह एक नए हिंदी जनरल इंटरटेनमेंट चैनल- शेमारू टीवी के लॉन्च के लिए तैयार है। शेमारू टीवी, शेमारू इंटरटेनमेंट की कॉरपोरेट फिलॉसफी 'इंडिया खुश हुआ' की सोच को मजबूत करता है। यह चैनल ऐसा फैमिली इंटरटेनमेंट कंटेंट लेकर आ रहा है, जो कि हर उम्र के लोगों की पसंद के अनुसार होगा। फ्री टू एयर चैनल शेमारू टीवी अपने कटेंट की शुरुआत कुछ बेहद पसंद किए गए शो के साथ कर रहा है, जिनमें सभी तरह के इमोशंस मौजूद हैं। इन शोज में 'देवों के देव...महादेव', 'ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज', श....कोई है', 'ज़बान संभाल के' आदि शामिल हैं। आज से शुरू होने वाला शेमारू टीवी डीडी फ्री डिश, प्रमुख डीटीएच और केबल नेटवर्कस पर उपलब्ध होगा। शेमारू टीवी मुख्य रूप से परिवार केंद्रित है।

पौलमी दास ने शेयर किए दादी मां के नुस्खे

कार्तिक पूर्णिमा शो में पूर्णिमा का किरदार निभा रही एक्ट्रेस पौलमी दास इन दिनों अपने फैंस को घर पर रहकर पार्लर जैसा गोरापन पाने के नुस्खे दे रही हैं, जानिए। पौलमी दास बताती हैं कि इन दिनों पूरे देश में लॉकडाउन चल रहा है। ऐसे में सबकुछ बंद होने से पार्लर भी बंद हैं। तो मैंने सोचा क्यों न अपने फैंस को दादी माँ के कुछ नुस्खे शेयर किए जाएं। पौलमी ने बताया कि सबसे पहले बेसन का पावडर लेकर उसमें शहद मिलाएं और चुटकी भर हल्दी मिलाएं और उसे अपने चेहरे पर सूखने तक छोड़ दें और नार्मल पानी से धो लें। दूसरा उपाय है अलसी जो आसानी से मार्केट में मिल जाती है। तो मिक्सी के जार में एक से दो चम्मच अलसी लें और दूध के साथ पीस लें और उसका पेस्ट रेडी होनेपर थो?ी मोटी परत में इसे अपने चेहरे पर लगा लें और सूखने के बाद धुल दें। अगर आप यह दोनों नुस्खें घर पर आजमाते हैं तो आपको दोबारा पार्लर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

न्यूज

मौलाना साद को चौथा क्राइम ब्रांच का नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को मौलाना साद को चौथा नोटिस जारी कर सरकारी लैब में कोरोना की जांच कराने को कहा। तबलीगी जमात के मुखिया मौलाना साद एक प्राइवेट लैब में कोरोना टेस्ट करा चुके हैं, जहां उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई थी। इस नोटिस में क्राइम ब्रांच ने मौलाना साद से कुछ सवालों के जवाब भी मांगे हैं, जो उन्होंने पुराने नोटिस में नहीं दिया था। देश में कोरोना के मामलों में अचानक इजाफा करने वाले तबलीगी जमात के मुखिया मौलाना साद के खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस भी दर्ज किया है। ईडी ने एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

अमेरिका के न्यूजर्सी में मृत मिले भारतीय पति-पत्नी

न्यूयॉर्क, (एजेंसी। अमेरिका के न्यूजर्सी में एक भारतीय दंपती मृत पाया गया। 35 वर्षीय गर्भवती पत्नी का शव उनके अपार्टमेंट में मिला तो पति समीप की हडसन नदी में मृत पाया गया। पुलिस हत्या और खुदकशी के नजरिये से इस घटना की जांच कर रही है। न्यूजर्सी सिटी पुलिस ने 26 अप्रैल को गरिमा कोठारी का शव बरामद किया था। उनके शरीर के ऊपरी हिस्से पर कई जख्म पाए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण हत्या बताया गया है।

वैज्ञानिकों ने 'मिल्की-वे' में खोजे दो 'एलियन' तारे

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारतीय वैज्ञानिकों ने हमारी आकाशगंगा यानी 'मिल्की-वे' में दो ऐसे तारे खोजे हैं जो वास्तव में ब्रमांड के शुरुआती एक अरब वर्ष में बने 'ग्लोबल क्लस्टर' का हिस्सा थे और जिनकी प्रकृति आकाशगंगा के अन्य तारों से अलग होने के कारण इन्हें 'एलियन तारे' भी कहा जाता है। अब तक के अनुमानों के अनुसार, ब्रमांड की उम्र करीब 14 अरब वर्ष है। शुरुआती एक अरब वर्ष में कई 'ग्लोबल क्लस्टर' बने थे। हर आकाशगंगा में इन 'ग्लोबल क्लस्टर' के कुछ तारे मिलते हैं हालांकि अब तक वैज्ञानिक ग्लोबल क्लस्टरों की उत्पत्ति के रहस्य को नहीं समझ पाए हैं। भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान की प्रोफेसर शिवारानी तिरुपति ने अपनी टीम के साथ मिलकर इन दोनों तारों की पहचान की है। ये तारे हमारी आकाशगंगा के वलय में धरती से 3621 प्रकाश वर्ष की दूरी पर हैं।

दंगे के दोषी की पैरोल अर्जी पर सीबीआई से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 महामारी की वजह से आठ सप्ताह की अंतरिम जमानत या पैरोल के लिए 1984 के सिख विरोधी दंगों में उम्रकैद की सजा भुगत रहे कांग्रेस के पूर्व पार्षद बलवान खोखर के आवेदन पर गुरुवार को सीबीआई से जवाब मांगा। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस की पीठ ने खोखर के वकील के इस कथन का संज्ञान लिया कि कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर अदालतों और सरकार द्वारा जेलों में भीड़ कम करने के संबंध में दिये गए सुझाव को देखते हुये उसे पैरोल दी जाये। पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता को इस अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री मौर्य ने लांच किया लोनिवि में सुरक्षा एप

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह लॉकडाउन के दौरान रुके हुए कार्यों को जल्द प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि रेड जोन और हाटस्पॉट एरिया को छोड़कर शेष क्षेत्रों में अनुमति लेकर ज्यादा से ज्यादा काम शुरू करें। निर्माण कार्यों से जहां एक तरफ विकास कार्यों को गति मिलेगी, वहीं दूसरी तरफ मजदूरों को रोजगार भी मिलेगा। उत्तर प्रदेश में भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश होने की संभावना है, इसलिए भी सड़कों का जाल बिछाना हम सब लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विंध्याचल जोन, मिर्जापुर बनारस जोन व अयोध्या जोन के लोनिवि के अधिकारियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी व कर्मचारी सुरक्षा एप को डाउनलोड करें।

अस्पताल से लौटने पर हरजीत का स्वागत

गुरुवार को उप-निरीक्षक हरजीत सिंह के चंडीगढ़ पीजीआई अस्पताल से छुट्टी होने के बाद पटियाला पहुंचने पर स्थानीय निवासियों ने फूलों की पंखुड़ियों की बौछार कर उनका स्वागत किया । सिंह पर लाकडाउन ड्यूटी के दौरान निहंगों के एक समूह ने बेरहमी से हमला कर दिया था , जिसमें उनकी हथेली कट गई थी।

पंजाब पुलिस के एएसआई इलाज के बाद लौटे घर, कर्फ्यू में काट दिया था हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब पुलिस में सब-इंस्पेक्टर हरजीत सिंह पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ से इलाज के बाद गुरुवार को पटियाला स्थित अपने घर लौट आए।

12 अप्रैल को हरजीत पटियाला की सब्जी मंडी में कर्फ्यू को सख्ती से लागू करवाने पहुंचे थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनके ऊपर हमला कर दिया था। इस हमले में उनका हाथ कट गया, जिसे बाद में सर्जरी के जरिए जोड़ दिया गया था। पुलिस के मुताबिक, एक एसयूवी में सफर कर रहे निहंगों के एक समूह ने उस समय पुलिस दल पर हमला किया जब उनसे पटियाला जिले में एक थोक सब्जी मंडी के बाहर कर्फ्यू पास दिखाने को कहा गया। इसके बाद पुलिस ने एक कार्रवाई की और गुरुद्वारे से 11 व्यक्तियों को

जल्द ही करेंगे ड्यूटी ज्वाइन

गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने कुछ गोलियां भी चलाईं।

हमले में सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह का हाथ तलवार से काट दिया गया और तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस समूह ने पुलिस दल पर सन्नौर नगर में थोक सब्जी मंडी के बाहर हमला किया। इसमें एक मंडी अधिकारी भी घायल हो गया। हमले के बाद यह समूह भाग गया और पटियाला शहर से लगभग 25 किमी दूर बलबेरा गांव में निहंग डेरा परिसर में छुप गया जहां गुरुद्वारा खिचड़ी साहिब भी स्थित है। गुरुद्वारे में गतिरोध घंटों तक चला।

साढ़े सात घंटे के ऑपरेशन के बाद जुड़ा था हाथ

पीजीआई ने एक बयान में कहा था कि कटे हुए हिस्से को प्रारंभिक रूप से तैयार करने के बाद सुबह10 बजे उसे फिर से जोड़ने का काम शुरू हुआ। सभी नसों और सिराओं को आपस में जोड़ा गया ,साथ ही सभी क्षतिग्रस्त हिस्सों को रिपेयर किया गया। तीन के-वायर्स का इस्तेमाल कर कलाई के सभी नर्व को हड्डी के साथ फिक्स किया गया। इन सब में लगभग 7.5 घंटे लगे। यह जटिल और चुनौतीपूर्ण सर्जरी थी, जिसे सफलतापूर्वक किया गया। सर्जरी के अंत में मूल्यांकन किया गया कि हाथ काम करेगा और रक्त के अच्छे संचरण के कारण वह गरम भी था। पीजीआई के निदेशक जगत राम ने ट्रॉमा सेंटर में आपात टीम को सक्रिय किया और प्लास्टिक सर्जरी के विभागाध्यक्ष रमेश शर्मा को हाथ को रि-इंप्लांट करने की जिम्मेदारी सौंपी। डीजीपी दिनकर गुप्ता के फोन करके मरीज की जानकारी देने के बाद रमेश शर्मा HOD प्लास्टिक सर्जरी ने डॉक्टर और अन्य लोगों की एक टीम तैयार की। मरीज की जांच करने के तुरंत बाद उन्हें सर्जरी के लिए भेज दिया गया था।

पंजाब सरकार द्वारा पंजाब में फंसे व्यक्तियों के अपने पैतृक राज्य जाने संबंधी एस.ओ.पी. जारी

चंडीगढ़/ब्यूरो

पंजाब सरकार द्वारा कोविड-19 के फैलाव को रोकने के लिए राज्य में लगाए गए कर्फ्यू /लॉकडाउन के कारण पंजाब में फंसे व्यक्तियों के अपने पैतृक राज्य वापस जाने सम्बन्धी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) जारी किए गए हैं। इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार की हिदायतों के अनुसार पंजाब में फंसे व्यक्तियों के अपने पैतृक राज्य वापस जाने की प्रक्रिया 5 मई, 2020 को शुरू होगी। उन्होंने आगे कहा कि एस.ओ.पीज़ के अनुसार यह पत्र प्राप्त होने के 48 घंटों के अंदर हरेक डी.सी. हर उस व्यक्ति जो अपने पैतृक राज्य वापस जाना चाहता है उससे भरा हुआ परफोर्मा लेंगे। यह परफोर्मा www.covidhelp.punjab.gov.in पर उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि एक बार जब कोई व्यक्ति अपने परिवार / समूह के लिए लिंक पर परफोर्मा भरता है, तो उसको पूरे परिवार / समूह के लिए एक सिस्टम द्वारा जनरेट आई.डी. मिलेगी। सभी ज़िलों को अपने पैतृक राज्य जाने के इच्छुक व्यक्तियों द्वारा दिए हुए लिंक पर मुकम्मल जानकारी 03-05-2020 को प्रात:काल 09:00 बजे तक प्राप्त करनी होगी।

डॉ. सुमित जारंगल (आई.ए.एस.) मैंबर, स्टेट कोविड कंट्रोल रूम द्वारा आने वाले दिनों में सभी डिप्टी कमिश्नरों को लिंक का एक्सैस उपलब्ध करवा देंगे और इसके लिए 3 मई, 2020 को प्रात:काल 9 बजे डी.सीज़ डाटाबेस एक्सैस कर सकेंगे और अपने-अपने ज़िले के विवरण देख सकेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इन दो दिनों के दौरान जब डाटा एकत्रित करने की प्रक्रिया चल रही है तो डिप्टी कमिश्नरज़ अपने पैतृक राज्य वापस जाने के इच्छुक व्यक्तियों की सेहत की जांच के लिए हैल्थ चैकअप कैंप लगाने की तैयारी करेंगे। हरेक व्यक्ति को जांच की तारीख़ और कैंप वाली जगह जहाँ उसकी स्क्रीनिंग होनी है संबंधी एस.एम.एस. के ज़रिये सूचित किया जाएगा। एक कैंप में एक ही परिवार के सदस्यों /समूह की स्क्रीनिंग की जाएगी। स्क्रीनिंग 04-05-2020 की रात तक पूरी कर ली जाएगी। एक बार जब किसी व्यक्ति की जांच की जाती है और उसमें कोई लक्षण नहीं पाए जाते, तो उसको स्वास्थ्य टीम द्वारा फॉर्म एफ के रूप में एक सर्टिफिकेट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों की वापसी सम्बन्धी यातायात 5 मई, 2020 से शुरू होगा। बसें या यातायात के अन्य साधन जो इन व्यक्तियों को ले जाने के लिए जाएंगे, की संख्या और अन्य विवरण डीसीज़ के साथ अलग तौर पर साझे किए जाएंगे। डीसीज़ ऐसी टीमें बनाऐंगे जो लिंक www.covidhelp.punjab.gov.in पर जाकर पंजाब से वापस अपने पैतृक राज्य जाने वाले हरेक समूह / परिवार की आई.डी. दर्ज करेंगे।

यूनिसेफ ने चेताया- दक्षिण एशिया पर बड़ा खतरा

लाखों बच्चों को लॉकडाउन के चलते नहीं लगे टीके

भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के 45 लाख बच्चे टीकों से वंचित

संयुक्त राष्ट्र ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के चलते लगाए गए लॉकडाउन के कारण दक्षिण एशिया के कई मुल्कों में बच्चों को जीवन रक्षक टीके नहीं लगे हैं। यूनिसेफ ने चेताया है कि इससे इस क्षेत्र में एक और स्वास्थ्य संकट आ सकता है। जीवन रक्षक टीकों से वंचित रहने वालों में भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के करीब 45 लाख बच्चे शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने यह भी कहा है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल में छिटपुट जगहों पर खसरा और डिप्थेरिया जैसी बीमारियों का प्रकोप भी देखा गया है। ये बीमारियां टीकाकरण से रोकी जा सकती हैं। यूनिसेफ ने कहा है कि लॉकडाउन के कारण इन देशों में नियमित टीकाकरण अभियान बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। नियमित टीका लगवाने के लिए माता-पिता भी अपने बच्चों को स्वास्थ्य केंद्र नहीं ले जाना चाहते हैं। दुनिया के एक चौथाई ऐसे बच्चे दक्षिण एशिया में रहते हैं जिनको टीका नहीं लगा है या आंशिक रूप से लगा है।

टीकाकरण से वंचित रहने वालों की अनुमानित संख्या करीब 45 लाख है। इनमें से लगभग सभी या 97 फीसदी भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में ही रहते हैं। यूनिसेफ के दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय अधिकारी पॉल रटर ने यह भी चेताया कि दक्षिण एशिया के कुछ मुल्कों में तो टीकों का भंडार भी खत्म हो रहा है। आने वाले दौर के लिहाज से यह बेहद खतरनाक है। लॉकडाउन के चलते टीकों की आपूर्ति बाधित हुई है। इन टीकों को बनाने का काम भी बाधित हुआ है जिससे समस्या और विकराल हो गई है। यही नहीं दक्षिण एशिया के देशों में ढेर सारे स्वास्थ्य केंद्र बंद हैं जहां आमतौर पर टीकाकरण होता था। यूनिसेफ ने कहा है कि टीकाकरण जारी रखना होगा ताकी खसरा और डिप्थेरिया जैसी बीमारियों पर लगाम लग सके। विश्व खाद्य कार्यक्रम और यूनिसेफ ने कहा है कि दुनिया भर में लाखों ऐसे बच्चे हैं जिन्हें दिन में एक ही बार खाना मिलता है और वह भी स्कूल में चूंकि दुनिया के कई मुल्कों में कोरोना लॉकडाउन लगा है ऐसे में स्कूल बंद है जिससे बच्चों के सामने भोजन का भी संकट है। डब्ल्यूएफपी और यूनिसेफ स्कूल नहीं जा रहे बच्चों की मदद के लिए सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। ऐसे में जब दुनिया कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रही है यूनिसेफ की यह चेतावनी दूरगामी खतरे का संकेत दे रही है।

देश में कमजोर हो रही पंचायती राज व्यवस्था : राहुल

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश के समग्र विकास के लिए जिस पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत की, वह जबरदस्त असरदार साबित हुई लेकिन दुर्भाग्य से आज हम उस व्यवस्था से भटक गए हैं।

श्री गांधी ने गुरुवार को रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के साथ चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा ''राजीव गांधी जी जिस पंचायती राज को लेकर आए थे उसका समाज पर जबरदस्त असर हुआ लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ेगा कि यह अब कम हो रहा है। पंचायती राज के मोर्चे पर जितना आगे बढ़ने का काम हुआ था, हम उससे पीछे लौट रहे हैं और जिलाधिकारी आधारित व्यवस्था में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के उत्तरी राज्यों की तुलना में पंचायती राज व्यवस्था पर दक्षिण के राज्यों में ज्यादा बेहतर काम हुआ है।

किसी आतंकी हमले से बढ़कर है कोरोना

जिनेवा/नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना को किसी आतंकी हमले से भी अधिक खतरनाक बताते हुए कहा कि यह दुनिया में उथल-पुथल मचा सकता है और इसलिए सभी देशों को एकजुट होकर इसका मुकाबला करना चाहिए। इस वायरस को हराने के लिए इतिहास के किसी भी क्षण से अधिक इस समय मानव जाति को एक साथ खड़े होने की जरूरत है। यह वायरस कहर बरपा सकता है।

यह किसी आतंकदी हमले से भी बढ़कर है। यह राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक उथल-पुथल मचाने में सक्षम है। चयन हमारे हाथ मैं है और हमें राष्ट्रीय स्तर पर एकता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एकजुटता को चुनना चाहिए। कोविड-19 के लिए टीके के विकास के बारे में पूछे जाने पर श्री तेद्रोस ने कहा कि दो महीने पहले बताया गया था कि एक-डेढ़ साल में टीका विकसित कर लिया जाएगा तो अनुमानित समय के अनुसार आने वाले 10 से 16 महीने में टीका बन जाना चाहिए।

रूस के पीएम कोरोना पॉजिटिव

मास्को, (एजेंसी)। रूस के पीएम मिखाइल मिशुस्तिन ने गुरुवार को बताया वे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। रूस में 7,099 नए केस सामने आने के बाद कुल संक्रमित106,498 हो गई, जबकि इस बीमारी से देश में अब तक कुल 1073 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका में कोविड-19 से 62 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। कोरोना से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से 62 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 10 लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के सीएसएसई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 60 हजार को पार कर 62380 पहुंच गई है जबकि संक्रमितों की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार कर 10,76,129 हो गई है। अमेरिका में एक लाख से अधिक लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं।

विश्व में 2.31 लाख लोग मरें, 32.72 लाख संकमित

पंजाब में पहली बार 1 दिन में 163 पॉजिटिव

14 जिलों से आए मरीज, अब तक 20 की मौत, 109 मरीज हुए ठीक

जालंधर/ब्यूरो

सूबे में वीरवार को पहली बार कोरोना के 162 नए केस आए। सबसे ज्यादा केस अमृतसर में 76, लुधियाना में 48, मोहाली में 13, तरनतारन में 7, जालंधर और मुक्तसर में 3-3, फगवाड़ा में 4, संगरूर और रोप? में 2-2, मोगा, पटियाला, फिरोजपुर, फतेहगढ़ साहिब और नवांशहर में 1-1 केस आया। आंकड़ा अब 545 पहुंच गया है। चिंताजनक बात यह है कि 163 पॉजिटिव मरीजों में से 146 श्री हजूर साहिब से लौटे श्रद्धालु हैं। 4 लोग लेबर के हैं। वहीं, सूबे में 3439 लोगों की रिपोर्ट अभी पेंडिंग है। वीरवार को पहली बार सूबे में एक जिले (अमृतसर) से 76 केस आए। यह सभी पिछले 3 दिन में नांदेड़ स्थित हजूर साहिब से बसों और निजी वाहनों में लौटे हैं। लुधियाना में भी पहली बार 48 केस आए। इनमें 38 श्रद्धालु हैं जो हजूर साहिब से लौटे हैं। इसके अलावा 2 व्यक्ति लेबर के हैं। एक मरीज महिला जेल से संबंधित और 6 शहर के विभिन्न इलाकों से हैं। एक केस बीडीपीओ के संपर्क का है। लुधियाना में 26 अप्रैल को 2 बसों में 43 श्रद्धालु पहुंचे थे। तरनतारन में भी हजूर साहिब से लौटे 7 लोग संक्रमित पाए गए। एक मरीज को छुट्टी दे गई है। नवांशहर, पटियाला, मोगा, फिरोजपुर और पटियाला में 1-1 श्रद्धालु की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फगवाड़ा में जो 4 लोग संक्रमित पाए गए उनमें 3 हजूर साहिब से लौटे श्रद्धालु हैं जबकि एक युवक दिल्ली से आया है। जालंधर में 1 श्रद्धालु समेत 3 संक्रमित पाए गए। मुक्तसर में दंपति समेत 3 श्रद्धालुओं की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रोप? में भी 2 श्रद्धालु संक्रमित पाए गए। वहीं, संगरूर में जिन 2 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

उनमें एक श्रद्धालु और एक हरियाणा से लौटा युवक है। मोहाली में 13 नए केस आए। इनमें 10 श्रद्धालु हैं। 2 केस जवाहरपुर व एक न्यू चंडीगढ़ से है। सूबे में अब 14 जिले ऑरेंज जोन में और 6 जिले हॉट स्पॉट हैं। फाजिल्का व बरनाला में कोई केस नहीं है। अब तक 20 की मौत व 109 ठीक हो चुके हैं।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों में भेजने के लिए विशेष रेल गाड़ीयाँ चलाने की माँग की

डिप्टी कमीश्नरों को पंजाब में फंसे प्रवासी मजदूरों की राज्य स्तरीय सूचियां बनाने के लिए कहा, हरेक राज्य के साथ तालमेल के लिए एक अफसर को नियुक्त करने का फैसला

चंडीगढ़/ब्यूरो

केंद्र सरकार द्वारा फंसे हुए मजदूरों और अन्य लागों की वापसी संबंधी एडवाईजरी के जवाब में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने गुरूवार को सभी डिप्टी कमीश्नरों को प्रवासी मजदूरों की राज्यों के अनुसार सूचियां बनाने के आदेश किये जिससे इनको भेजने के लिए तालमेल स्थापित किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को ऐसे व्यक्तियों को उनके गृह राज्यों में भेजने के लिए एक जगह से दूसरी जगह के लिए विशेष रेल गाड़ीयाँ चलाने की माँग की। मुख्यमंत्री ने यह भी ऐलान किया कि प्रवासी मजदूरों की वापसी के लिए हरेक राज्य के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए एक अफसर को नियुक्त किया जायेगा। राज्य के डिप्टी कमीश्नरों और एस.एस.पीज के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रवासी मजदूरों को भेजने के लिए प्रधानमंत्री को भी लिखा है। उन्होंने बताया कि अकेले लुधियाना में ही 7 लाख प्रवासी मजदूर हैं जबकि पूरे पंजाब में यह संख्या 10 लाख से अधिक है। हालाँकि अभी आंकड़े इकट्ठा किये जा रहे हैं। पंजाब में 70 प्रतिशत के करीब मजदूर बिहार से हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मजदूरों को सिर्फ रेल गाड़ीयों के द्वारा ही भेजा जा सकता है और भेजते समय उनकी सही जांच भी की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने डी.सीज को कहा कि सुविधाजनक वापसी के लिए इस समय के दौरान प्रवासी मजदूरों की राज्यों के अनुसार सूचियां बना ली जाएँ। लॉकडाउन में वृद्धि के मद्देनजर कुछ जिलों में खाने वाले पैकेटों की कमी संबंधी प्रकट की गई चिंताओं के जवाब में मुख्यमंत्री ने खाद्य विभाग को मजदूरों और गैर स्मार्ट कार्ड धारकों को बाँटे जाने वाले राशन का कोटा बढ़ाने के आदेश दिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ''किसी को भी भूखा नहीं रहने दिया जायेगा।''

प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के 29 अप्रैल के हुक्मों का हवाला देते हुए कहा कि लॉकडाउन के कारण मजदूर बड़ी संख्या में फंसे हुए हैं। ट्रांसपोर्ट के लिए बसें काम नहीं करेंगी।

उन्होंने कहा, ''10 लाख के करीब मजदूरों को वापस उनके राज्यों में भेजने का प्रबंध करने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि ऐसे हालत में सिर्फ विशेष गाड़ीयाँ चलाकर ही इन मजदूरों को भेजा जा सकता है। रेलवे भेजे जाने वाले मजदूरों की संख्या के आधार पर एक जगह से दूसरी जगह तक उनके ठिकानों तक रेल गाड़ियां चला सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हो सकता है कि बाकी राज्य भी ऐसी ही स्थिति से गुजर रहे हों। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने इस मामले में प्रधानमंत्री के दखल की मांग करते हुए उनको विशेष रेल गाड़ीयाँ चलाने के लिए रेलवे मंत्रालय को सलाह देने की अपील की जिससे प्रवासी मजदूरों की उनके ठिकानों तक सुरक्षित यात्रा यकीनी बनाई जा सके।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को प्रवासी कामगारों के अंतर-राज्यीय अवागमन की इजाजत देते हुए आदेश दिया था कि व्यक्तियों के समूह को लेजाने के लिए बसों को यातायात के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है परन्तु बैठने के लिए सामाजिक दूरी के नियमों को बरकरार रखने और सफाई की उचित व्यवस्था करने के बाद ही ऐसा किया जाये।

कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार जो बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड से रोजगार / नौकरियों के लिए पंजाब आए थे, कोविड-19 की महामारी के कारण अपने-अपने राज्यों को जाना चाहते हैं। उन्होंने लिखा, ''ये कामगार कृषि और उद्योगों में काम करते हैं। हालाँकि, इनमें बहुत से या तो अपना रोजगार गंवा चुके हैं या कोरोनावायरस के फैलाव के कारण राज्य में कर्फ्यू लगने के कारण रोजगार / काम नहीं ढूँढ सकते।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे उनकी सरकार यहाँ फंसे हुए प्रवासी कामगारों जिनकी राज्य के उद्योग और कृषि के लिए जरूरत है, को भोजन, आश्रय और अन्य बुनियादी सहूलतें मुहैया करवाकर पूरी देखभाल कर रही है परन्तु बदकिस्मती से इनमें बहुत से कामगार अपने गृह राज्यों को जाना चाहते हैं।

उन्होंने उम्मीद जाताई कि प्रधानमंत्री समय की नजाकत को समझेंगे और उसके अनुसार रेलवे मंत्रालय को सलाह देंगे।

इसी दौरान मुख्य सचिव करण अवतार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि प्रोटोकॉल के मुताबिक डिप्टी कमीश्नरों को अपने-अपने जिलों में प्रवासी कामगारों की जांच करवानी होगी और सर्टिफिकेट देने होंगे जिसके बाद प्रांतीय कंट्रोल रूम को सम्बन्धित राज्यों को प्रवासी कामगारों के संपर्क नंबरों सहित विवरण देने लाजिमी हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.